647510 BA4HinFO1010 Seat No: _____

# B.A. Semester - 4 (CBCS) Examination
## March/April- 2018
## FOUNDATION : HINDI DHANUSHBHANG EVAM VYAKRAN (FOUNDATION)

**Time: 2:30 Hours** **Marks: 70**

**Instructions:**
1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

---

प्रश्न १ किशोर काबरा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न १ खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'धनुष – भंग' का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न २ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'धनुष-भंग' काव्य की समीक्षा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न २ 'धनुष – भंग' काव्य में उत्तम प्रकार का प्रकृति – चित्रण हो पाया है।' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ३ 'धनुष – भंग' काव्य की कथावस्तु बताते हुए उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न ३ 'धनुष – भंग' काव्य के आधार पर सीता का चरित्र – चित्रण कीजिए।

प्रश्न ४ 'धनुष – भंग' में आधुनिक – युग की किन – किन समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है? (१४)

अथवा

प्रश्न ४ 'धनुष – भंग' के आधार पर निमि के जीवन – संघर्ष का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ५(अ) भारत सरकार और अमेरिका की सरकार के बीच आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष का समझौता हुआ है, इस विषय पर प्रेसनोट तैयार कीजिए। (०७)

अथवा

प्रश्न ५(अ) चुनाव आयोग, भारत सरकार ने मतदान प्रक्रिया में VVPAT की सुविधा पारित की। इस विषय पर प्रेसनोट तैयार कीजिए।

प्रश्न ५(ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए: (०७)

कवि का काम है कि वह प्रकृति को खूब ध्यान से देखे। प्रकृति की लीला का कोई ओर – छोर नहीं, वह अनंत है। प्रकृति अद्‌भुत खेल खेला करती है। एक छोटे – से फूल में वह अजीब कौशल दिखलाती है। वे सर्वसाधारण के ध्यान में नहीं आते। ये सबकी समझ में नहीं आ सकते, परंतु कवि अपनी सूक्ष्म दृष्टि से प्रकृति के कौशल अच्छी तरह देख लेता है और उनका वर्णन भी करता है। उस से नाना प्रकार की दिशाएँ भी ग्रहण करता है और संसार को लाभ भी पहुँचाता है। जिस कवि में प्राकृतिक कौशल देखने और समझने की जितनी ही अधिक शक्ति होती है, वह उतना ही महान कवि होता है।

अथवा

प्रश्न ५(ब) हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

કાવ્ય એ જીવન ઉપવનનું પુષ્પ છે અને જીવન એ કાવ્યકુસુમની સુગંધનો પ્રસાર છે. જીવનની સરસ સાધનાનું અંતિમ વિકસિત રૂપ કાવ્ય છે અને કાવ્યના મહાન ઉદ્દેશ્યનું પરિષ્કૃત રૂપ જીવન છે. કાવ્યમાં આપણે જીવનની ઝંખનાને સ્વપ્નોના રૂપ માં સજાવીએ છીએ અને જીવનમાં કલ્પના સત્યની વાસ્તવિક ભૂમિકા પર ઉતરી આવે છે. કાવ્ય જીવન પાસેથી જીવન મેળવે છે અને જીવન તો જીવનનું કાવ્ય જ છે.

**********